भक्त और प्रार्थनाएँ

भक्ति और प्रार्थनाएँ

परिवारों के लिए

सोमवार

उसने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया, "स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बो दिया। वह सब बीजों से छोटा तो होता है पर जब बढ़ जाता है तब सब साग-पात से बड़ा होता है; और ऐसा पेड़ हो जाता है कि आकाश के पक्षी आकर उसकी डालियों पर बसेरा करते हैं।' ***(मत्ती 13:31-32 BSI- OV)***

प्रश्न: आप परमेश्वर के राज्य का हिस्सा कैसे बन सकते हैं?

बच्चों के लिए प्रार्थना:

प्यारे परमेश्वर,

अपने वचनों को बीज की तरह मेरे हृदय में रोप दो। उन्हें पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से बढ़ने दें और मुझे दयालु और प्रेमी बनाएं। मुझे अपने प्रेम से भर दीजिए और मेरी सहायता करें कि मैं जहां कहीं भी जाऊं, आपके सुसमाचार को फैलाने पाऊं। परमेश्वर, आपका धन्यवाद।

आमीन।

वयस्कों के लिए प्रार्थना:

काश आपके वचन के बीज, जो बच्चों के हृदयों में रोपे गए हैं, विकसित हों और पवित्र आत्मा का फल उत्पन्न करें, ताकि वे आत्मा से भरे हुए लोग बन सकें, और इस प्रकार परमेश्वर का राज्य किसी भी उस चीज़ से आगे बढ़े चले जिसे यह दुनिया समाहित कर सकती है या कल्पना कर सकती है। काश जहां भी वे जाएं, सुसमाचार की शक्ति उपस्थित रहे। आमीन।

मंगलवार

'तब यीशु ने रोटियाँ लीं, और धन्यवाद करके बैठनेवालों को बाँट दीं; और वैसे ही मछलियों में से जितनी वे चाहते थे बाँट दिया। जब वे खाकर तृप्त हो गए तो उसने अपने चेलों से कहा, "बचे हुए टुकड़े बटोर लो कि कुछ फेंका न जाए।" अत: उन्होंने बटोरा, और जौ की पाँच रोटियों के टुकड़ों से जो खानेवालों से बच रहे थे, बारह टोकरियाँ भरीं।' ***(यूहन्ना 6:11-13 BSI- OV)***

जब एक छोटे बच्चे ने अपना खाना बांटा तो यह चमत्कार हो गया। बहुत से लोगों को खाना खिलाया गया, और यहाँ तक कि खाना बच भी गया। ठीक उसी तरह, जब हम जो हमारे पास है उसे दे देते हैं, वह चाहे कितना भी कम क्यों न हो, परमेश्वर उसे आश्चर्यजनक रूप से बदल सकता है। याद रखें, आपके हाथ में मौजूद छोटी सी चीज भी परमेश्वर के माध्यम से चमत्कार बन सकती है।

प्रश्न: आपके हाथ में क्या है जो आप यीशु को दे सकते हैं? (उदाहरण के लिए, अपने व्यक्तित्व या प्रतिभा के बारे सोचें जिसका उपयोग आप दूसरों की सेवा के लिए कर सकते हैं।)

बच्चों के लिए प्रार्थना:

प्यारे परमेश्वर,

मैं आपसे प्रेम रखता हूँ और आपको आनन्दित करना चाहता हूँ। कृपया अपनी पवित्र आत्मा की सहायता से मुझे एक अच्छा आराधक बनने में मदद करें। संसार भर में और अधिक लोगों को शामिल करें जो आपको भी आनन्दित करते हैं।

आमीन।

वयस्कों के लिए प्रार्थना:

हे प्रभु, काश आपके प्यारे बच्चे आपके हृदय को प्रसन्न करने वाले सच्चे आराधक बनें। उनके माध्यम से, संसार भर में और अधिक आराधक जन्म लें जो आपके लिए खुशी लाते हैं।

आमीन।

बुधवार

'ताकि हम आगे को बालक न रहें जो मनुष्यों की ठग-विद्या और चतुराई से, उन के भ्रम की युक्तियों के और उपदेश के हर एक झोंके से उछाले और इधर-उधर घुमाए जाते हों। वरन् प्रेम में सच्चाई से चलते हुए सब बातों में उसमें जो सिर है, अर्थात् मसीह में बढ़ते जाएँ।' ***(इफसियों 4:14-15 BSI- OV)***

बढ़ने का अर्थ है सीखना। और हमारा विश्वास तभी बढ़ता है जब हम सीखते रहते हैं। इसके लिए कुछ अभ्यास और अनुशासन की आवश्यकता है! लेकिन अगर हम विकसित नहीं होते हैं, तो हम किसी भी स्थिति और परिस्थिति में हिल जाएंगे और रेत के महल की तरह ढह जाने की संभावना है। हमारा विश्वास बढ़ता है जब हम यीशु के करीब रहते हैं और उसकी बात सुनते हैं और उससे सीखते हैं, उदाहरण के लिए बाइबिल पढ़ने और प्रार्थना के माध्यम से। उसके पवित्र आत्मा के द्वारा हम और अधिक मसीह के समान बनते जायेंगे!

प्रश्न: पिछले कुछ हफ़्तों में आपने यीशु से क्या सीखा है?

बच्चों के लिए प्रार्थना

प्यारे परमेश्वर,

कृपया मुझे आपके वचनों को समझने के लिए बुद्धि प्रदान करें और अच्छे निर्णय लेने में मेरी मदद करें। मुझे जो सही है उसे करने का साहस दें। यीशु के प्रेम में मुझे सुरक्षित रखें और हानि से बचाएं। मुझे मजबूत बनाइये और हर समस्या का सामना करने में मेरी मदद करें।

आमीन।

वयस्कों के लिए प्रार्थना:

बच्चों को आपके वचन को समझने के लिए बुद्धि प्रदान करें। उन्हें बुद्धिमानीपूर्ण चुनाव करने की समझ दें। उन्हें हमेशा सही को चुनने का साहस दें। यीशु के बेशकीमती लहू से बच्चों को बुराई के प्रभाव से बचाएं। हर चुनौती से पार पाने के लिए उन्हें अपनी भलाई से मज़बूत बनाएं।

आमीन।

गुरुवार

परन्तु शमूएल बालक बढ़ता गया और यहोवा और मनुष्य दोनों उससे प्रसन्न रहते थे।
(1 शमू 2:26 BSI- OV)

शमूएल का पालन-पोषण ऐसे माहौल में हुआ जहाँ उसने परमेश्वर के बारे में बहुत कुछ सीखा। वह परमेश्वर के बहुत करीब था और उसने छोटी उम्र से ही परमेश्वर की सेवा की। जैसे-जैसे वह बड़ा हुआ, परमेश्वर ने उस पर नजर रखी। जो लोग परमेश्वर के करीब रहते हैं और परमेश्वर की बात सुनते हैं, वे धन्य हैं और परमेश्वर उनके साथ रहता है।

प्रश्न: आप कब और कहाँ परमेश्वर के करीब महसूस करते हैं?

बच्चों के लिए प्रार्थना:

प्यारे परमेश्वर,

कृपया मेरे साथ-साथ संसार के सभी बच्चों को आशीष दें। हमें प्रेम और आनन्द तलाशने में मदद करें। हमें अपने बच्चों के रूप में मजबूत बनाएं, ताकि हम एक अच्छा नमूना बन सकें और आपका प्यार बाँट सकें।}

आपकी पवित्र आत्मा हमारा मार्गदर्शन करे, ताकि हम अच्छे विकल्पों का चुनाव कर सकें और गलत काम करने से दूर रहें। हमारी सहायता करें ताकि हम दयालु बनें और सभी को आपकी अच्छाई दर्शा सकें।

आमीन।

वयस्कों के लिए प्रार्थना:

प्यारे परमेश्वर,

हम संसार भर के सभी बच्चों के लिए आपकी आशीष चाहते हैं। कृपया उन्हें अपने प्रेम से घेरे रखें और उन्हें खुश और स्वस्थ रहने में मदद करें। काश वे जानने पाएं कि आपके प्रेम से परिपूर्ण होकर वे आपके लिए विशेष हैं।

अपनी पवित्र आत्मा से उनका मार्गदर्शन करें, ताकि वे अच्छे विकल्प चुनें और दूसरों के साथ दयालुता से व्यवहार करें। वे आपके प्रेम से चमकें और जहां भी जाएं, अच्छाई फैलाएं। उन्हें यह समझने में मदद करें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं और उन्हें उस प्यार को दूसरों के साथ साझा करने के लिए सशक्त बनाएं।

आमीन।

शुक्रवार

और तीन दिन के बाद उन्होंने उसे मन्दिर में उपदेशकों के बीच में बैठे, उनकी सुनते और उनसे प्रश्न करते हुए पाया। जितने उसकी सुन रहे थे, वे सब उसकी समझ और उसके उत्तरों से चकित थे। और यीशु बुद्धि और डील-डौल में, और परमेश्वर और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया। ***(लूका 2:46-47,52 BSI- OV)***

यीशु, परमेश्वर का पुत्र, छोटी उम्र से ही परमेश्वर के ज्ञान से परिपूर्ण था। जैसा कि आप देख सकते हैं, यीशु जानबूझकर दूसरों की बात सुनता था और अपनी बुद्धि बढ़ाने के लिए प्रश्न पूछता था। वह ज्ञान एक ऐसी चीज़ है जिसे संसार नहीं दे सकता। उसकी बुद्धि हमें अच्छे और बुरे के बीच अंतर जानने और अच्छा करने का चयन करने की अनुमति देती है।

प्रश्न: आप सही और गलत के बीच अंतर कैसे जानते हैं?

बच्चों के लिए प्रार्थना:

प्यारे परमेश्वर,

मैं यीशु की तरह बनना चाहता/चाहती हूं और हर दिन बढ़ना चाहता/चाहती हूं। कृपया मुझे धैर्यवान बनाएं ताकि मैं दूसरों की बात सुन सकूं और प्रश्न पूछने के लिए पर्याप्त साहसी बन सकूं। मुझे आपके वचनों को समझने और उनके अनुसार जीने में मदद करें। मेरा मार्गदर्शन करें ताकि मैं अपने हर एक मिलने वाले के साथ आपकी अच्छाई और दयालुता को बाँटने पाऊं।

आमीन।

वयस्कों के लिए प्रार्थना:

काश बच्चों का पालन-पोषण आपके वचन के माध्यम से हो, ताकि आपके वचन की बुद्धि और शक्ति उनके जीवन में प्रकट हो सके। आपका वचन जीवन बन जाए ताकि वे आपकी अच्छाई और दयालुता को दूसरों के साथ साझा कर सकें।

आमीन।

शनिवार

दाऊद ने पलिश्ती से कहा, "तू तो तलवार और भाला और साँग लिये हुए मेरे पास आता है; परन्तु मैं सेनाओं के यहोवा के नाम से तेरे पास आता हूँ, जो इस्राएली सेना का परमेश्वर है, और उसी को तू ने ललकारा है। ***(1 शमू 17:45 BSI- OV)***

दाऊद, जो पूरे हृदय से परमेश्वर की स्तुति करता था, वह मनुष्यों से नहीं डरता था। वह उसके सामने इस स्थिति से घबराया नहीं। दाऊद के लिए, परमेश्वर सर्वोच्च और सबसे शक्तिशाली था, इसलिए जब परमेश्वर उसके साथ था तो वह किसी भी चीज़ से नहीं डरता था।

प्रश्न: आपको शांत महसूस करने के लिए क्या चाहिए?

बच्चों के लिए प्रार्थना:

प्यारे परमेश्वर,

जब मैं कठिन समय, डरावनी परिस्थितियों का सामना करता/करती हूं, या जब हालात मेरी आशा के अनुरूप नहीं होते तो कृपया मेरी मदद करें। मुझे यह विश्वास दिलाने में मदद करें कि आप अच्छे हैं और आप मेरी मदद करेंगे। मुझे यह विश्वास करने का साहस दें कि कठिन समय होने पर भी आप आश्चर्यजनक रूप से कार्य कर सकते हैं। मैं आपसे अपने डर और गलतियों के बारे में बातें करूंगा/करूंगी और आपके मजबूत नाम का सहारा लूंगा/लूंगी।

आमीन।

वयस्कों के लिए प्रार्थना:

काश हम अपने बच्चों को कठिनाइयों, भय, असफलता या निराशाओं का साहसपूर्वक सामना करने और केवल परमेश्वर की अच्छाई पर भरोसा रखने में मदद कर सकें। आइए हम अपने बच्चों को उन अद्भुत कार्यों की प्रतीक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करें जिन्हें परमेश्वर इन चुनौतियों के माध्यम से पूरा करेगा। और हम विश्वास के साथ, अपनी गलतियों को स्वीकार करते हुए, और प्रभु के नाम में सामर्थ्य की घोषणा करते हुए, प्रार्थना करें ।

आमीन

रविवार

'यूसुफ अपने मिसिरी स्वामी के घर में रहता था, और यहोवा उसके संग था इसलिये वह भाग्यवान् पुरुष हो गया, और यूसुफ के स्वामी ने देखा कि यहोवा उसके संग रहता है, और जो काम वह करता है उसको यहोवा उसके हाथ से सफल कर देता।' ***(उत्पत्ति 39:2-3 BSI- OV)***

संसार के नजरिए से, यूसुफ, जिसे गुलाम के रूप में बेच दिया गया था और अन्यायपूर्वक कैद कर लिया गया था, उसके पास एक संपन्न जीवन नहीं था। हालाँकि, बाइबिल बताती है कि वह अमीर था क्योंकि परमेश्वर उसके साथ था। परमेश्वर हर समय हमारे साथ रहता है, और इसलिए हम भी सफल हैं।

प्रश्न: आप कब अमीर महसूस करते हैं?

बच्चों के लिए प्रार्थना:

प्यारे परमेश्वर,

मैं जानता हूं कि अच्छा जीवन सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि मैं कहां हूं या मेरे आसपास क्या हो रहा है। यह इस बारे में है कि आप मेरे साथ हैं। आप दुनिया के सभी बच्चों से प्यार करते हैं, और मैं उनमें से एक हूं। कृपया मेरे साथ बने रहें और हर चीज़ में बेहतर करने में मेरी मदद करें। मुझे आप पर भरोसा रखने और मजबूत विश्वास के साथ बढ़ते रहने में मदद करें।

आमीन।

वयस्कों के लिए प्रार्थना:

मेरा मानना है कि समृद्धि परिस्थितियों या वातावरण से नहीं बल्कि आपकी उपस्थिति से निर्धारित होती है। प्यारे परमेश्वर, जो दुनिया के सभी बच्चों को गले लगाते हैं, कृपया उन्हें सभी बातों में समृद्ध होने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करें, और उन्हें अटूट विश्वास के साथ आगे बढ़ने में मदद करें।

आमीन